



माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

परीक्षा का उत्तर लिखने से पूर्व इस पत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ना आवश्यक है।

Candidate's Roll No. In English	
(In Figures)	<input type="text"/>
(In Words)
परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में	
शब्दों में	

नोट - परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी अंग्रेजी

विषय .. विज्ञान

परीक्षा का दिन .. सोमवार

दिनांक .. 25-03-19

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य है, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

--

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)			
प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाइन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
 - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
 - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
 - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
 - (iv) वस्त्र, स्केल, ज्यामेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस-पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
 - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना साँपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा प्रश्न अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	1.	उत्तर <u>रक्त</u> दौल चीरने काइने का कार्य करते हैं।
	2.	उत्तर रक्त का विभिन्न समूहों में वर्गीकरण कार्ल लैण्ड स्टीनर ने किया।
	3.	उत्तर CNG - संपीड़ित प्राकृतिक गैस <i>Compressed natural gas</i>
	4.	उत्तर किसी वस्तु में उसकी स्थिति के कारण निहित ऊर्जा स्थितिज ऊर्जा कहलाती है।
	5.	उत्तर सौर ऊर्जा
	6.	उत्तर का की का वैज्ञानिक नाम - <u>काफिया अरेबिका</u>
	7.	उत्तर एक प्रजाति अथवा जनसंख्या समूह के मध्य आनुवंशिक ईकाई जीन के कारण उत्पन्न विविधता आनुवंशिक विविधता कहलाती है।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

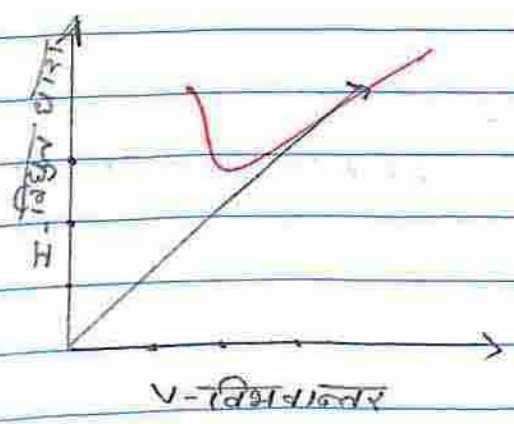
परीक्षार्थी उत्तर

8. उत्तर हीमोग्लोबिन का निर्माण लोह तत्व करता है।

9. उत्तर I_gE रैलजी क्रियाओं में लिखा लेती है।

10. उत्तर A व B के अतिरिक्त धनि प्रतिजन लाल रक्त कणिकाओं पर Rh वाया जरता है।

11. उत्तर



$V \propto I$

12. उत्तर पृथ्वी के प्राकृतिक उपग्रह का नाम चन्द्रमा है।

परिकल्पना के अनुसार इसकी उत्पत्ति मंगल ग्रह के आकार के एक पिण्ड के पृथ्वी से टकराने पर पृथ्वी का एक भाग टूट जाने से हुई थी।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

महत्त्व - (i) यह पृथ्वी को अपनी धुरी पर ठीक तरह से झुके रहने में मदद करता है।
(ii) पृथ्वी की घूर्णन गति को नियंत्रित रखता है।

13.

असुर प्राचीन जीवों व वनस्पतियों के मिट्टी बर्क या अन्य पदार्थ में दब जाने से जीवाश्म बनते हैं। इस प्रकार वे सजीव तो नष्ट हो जाते हैं परन्तु उनकी निशानियाँ शेष रह जाती हैं।

जीवाश्म की आयु की गणना खुदाई विधि व रेडियो कार्बन डेटिंग से ज्ञात की जाती है।

14.

असुर प्रथम अंतरिक्ष यात्री यूरी गागारिन हैं। अंतरिक्ष में भोजन की समस्या के समाधान के लिए अंतरिक्ष स्टेशन में भोजन चाकू व चिमटे से करने की व्यवस्था है। इनको टेबल पर रखने के लिए चुम्बक का प्रयोग किया जाता है।

भारतीयता में रहने के लिए वहाँ अंतरिक्ष सूट की व्यवस्था है। इसके अनिश्चित वहाँ कुछ कमरों में गुरुत्वाकर्षण बल की व्यवस्था है जिससे अंतरिक्ष यात्री सुविधा से उनमें रह कर कार्य कर सके।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

15.

उत्तर अ) राजमार्गों पर अधिक दूरी व पराश तक सुगमता से देखने के लिए तेज प्रकाश पुंज का प्रयोग करना चाहिए।

ब) वाहनों की हेड लाइट में समान्तर किरण पुंज प्राप्त करने के लिए अवलत दर्पण व वीधे दूर तक देखने के लिए उत्तल दर्पण का प्रयोग किया जाता है।

16.

उत्तर अ) ड्रेकनकुलस सेडिनेंसीस नामक कृमि
ब) (i) मौफीन (ii) कोडीन पेपैवरिन
स) सबम्युकस फाइब्रोसिस रोग

17.

उत्तर अ) रासायनिक समीकरण (i) में कार्बन में ऑक्सीजन जुड़ रही है अतः यह संयुग्मन अभिक्रिया है।

समीकरण (ii) में जल का विद्युत अपघटन हो रहा है अतः यह विद्युत अपघटनीय अभिक्रिया है।

ब) समी. ① में अभिकारकों जुड़कर एक उत्पाद बना रहे हैं जबकि समी. ② में अभिकारकों का अपघटन हो कर एक से अधिक उत्पाद बन रहे हैं।



परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंक

प्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

स) उत्प्रेरक बर्धक अभिक्रिया में उत्प्रेरक की क्रिया को बढ़ाते हैं जबकि उत्प्रेरक विष अभिक्रिया में उत्प्रेरक की क्रिया को मंद करते हैं।

18.

ऊपर वन ऊपजाऊ मिट्टी को वर्षा जल से होने वाले अपरदन से बचाते हैं व मिट्टी के बहाव को रोकते हैं। वनों की जड़े मिट्टी को रोकें रखती हैं।

वनों के संरक्षण हेतु चार उपाय:-

(i) वनों की कटाई पर रोक लगानी चाहिए व वृक्षारोपण और कटाई का अनुपात समान होना चाहिए।

(ii) वनों की आग से रक्षा करनी चाहिए व अग्नि रक्षा पथों का निर्माण करना चाहिए।

(iii) ड्रम कृषि पद्धति पर रोक लगाकर कड़े कानून बनाने चाहिए।

(iv) सामाजिक वानिकी को प्रोत्साहन देना चाहिए।

19.

ऊपर प्राचीनतम ग्रंथ चरक संहिता संस्कृत में लिखा गया है।

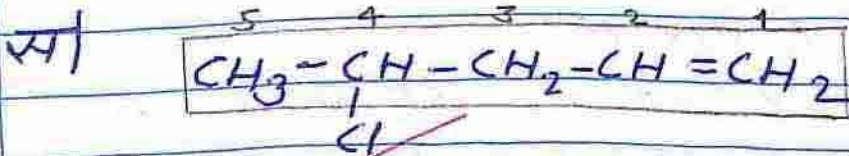
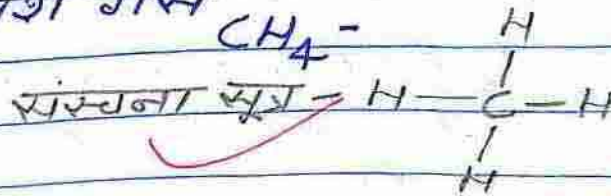
आनुवांशिकी के संबंध में चरक ने क्या

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उम्मीद

था कि बच्चे में आनुवंशिक रोग अपने माता-पिता से प्राप्त होते हैं। लगातार, अंधापन आदि बच्चरोग बच्चे में आनुवंशिक होते हैं।

20. अ) टेरैथेलिक अम्ल
ब) मार्श गैस



IUPAC नाम - 4-क्लोरो, 1-पेन्टीन

21.

अंतर चिकित्सा क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले जैविक अपशिष्ट जैसे अक्त, रक्त, त्वचा आदि जैव चिकित्सा अपशिष्ट कहलाते हैं। इससे उत्पन्न होने वाले दो रोग हेपेटाइटिस व एड्स हैं।

भस्मीकरण विधि द्वारा जैव चिकित्साकीय अपशिष्ट को जलाकर राख प्राप्त की जाती है व इस प्रकार अपशिष्ट का उचित निवृत्तारण किया जाता है।

22.

- अ) प्रोटीन की
 ब) (i) गेहूँ (ii) कलला
 स) इनका भोजन है अनाज की भूसी, चावल की चापड़, अगेहूँ की चापड़ आदि।
 द) मछलियों के लिए सैल्विक पौष्टिक भोजन, उद्युक्त प्रकाश व अलवणीय जल की व्यवस्था कर * अधिकतम उत्पादन कर सकते हैं।

23.

उत्तर प्रभाविता का नियम-

इस नियम के अनुसार वे लक्षण जो F₁ पीढ़ी में अपने आप को प्रकट कर पाते हैं प्रभावी लक्षण कहलाते हैं व वे लक्षण जो F₁ पीढ़ी में अपने आप को प्रकट नहीं कर पाते उन्हें अप्रभावी लक्षण कहते हैं।

इस नियम एक संकर संकरण पर आधारित है।

उदा. सम लम्बे व सम-बौने (tt) के मध्य संकरण करवाने पर-

P पीढ़ी- TT ^{संकरण} tt
 ×
 F₁ पीढ़ी TT

F₁ पीढ़ी में समस्त पौधे वि. लम्बे प्राप्त हुए अतः लम्बापन प्रभावी व बौनापन अप्रभावी लक्षण है।



मरीचक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

वंशागति के नियमों के महत्व:-

- (i) मेडल के प्रभावितों के नियम के अनुसार अनेक घातक जीनों को हटाकर रोगों से मुक्ति की जा सकती है।
- (ii) मानव विज्ञान की शाखा सुजननिकी मेडल के नियमों पर ही आधारित है।

24. (अ) (i)

मिल्क ऑफ मैग्नीशिया क्षारीय प्रकृति का होता है। अतः आमाशय में HCl अम्ल के प्रभाव को इन उदासीनीकरण प्रक्रिया द्वारा निष्क्रिय करने के लिए मिल्क ऑफ मैग्नीशिया का प्रयोग होता है।

(ii)

सल्फ्यूरिक अम्ल को अम्लों का राजा कहा जाता है। सल्फ्यूरिक अम्ल की प्रत्येक उद्योग से आवश्यकता व महत्वपूर्ण भूमिका होती है अतः किसी देश की औद्योगिक प्रगति H_2SO_4 के उपयोग के आधार पर मापी जाती है।

ब)

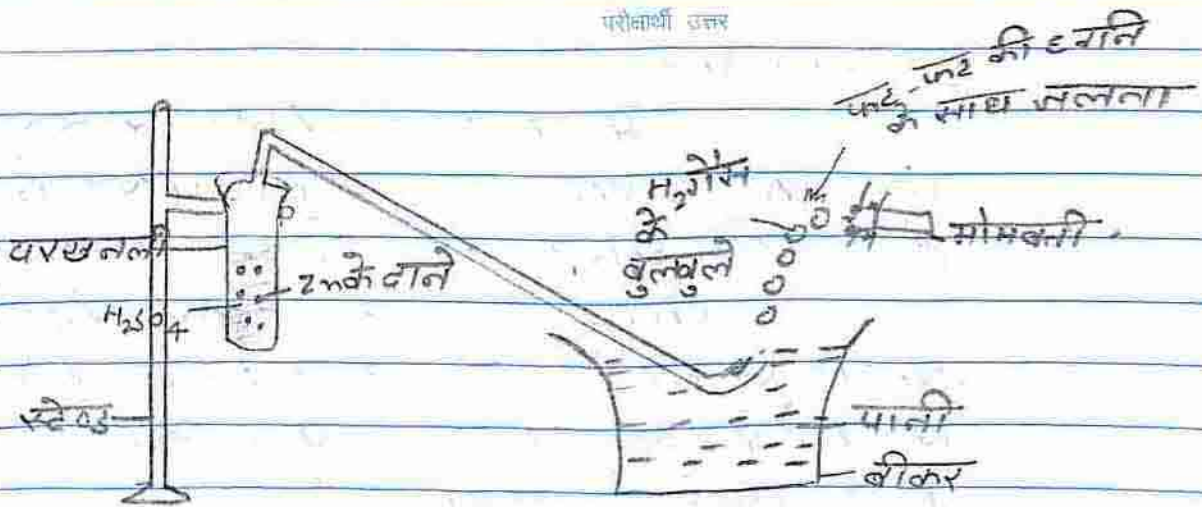
सल्फ्यूरिक अम्ल में जिंक के दाने डालने पर H_2 गैस उत्पन्न होती है क्योंकि धातुएं अम्लों के साथ क्रिया करके H_2 गैस बनाती हैं।





परिष्कार द्वारा प्रश्न
प्रदत्त अंक संख्या

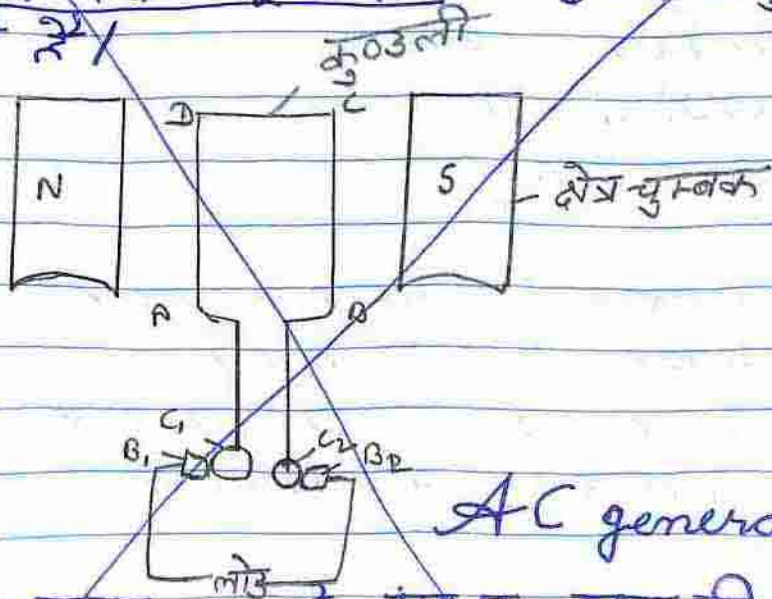
परोक्षार्थी उत्तर



H₂ गैस का निर्माण

25.

उत्तर बनावट - प्रत्यावर्ती धारा जनित्र में एक क्षेत्र चुम्बक, आर्मेचर (कुंडली) दो विभक्त वलय (कॉम्यूटेटर) व दो ब्रश B₁ व B₂ होते हैं।



AC generator

क्षेत्र चुम्बक के मध्य कुंडली रखी होती है व कुंडली से दो विभक्त वलय C₁ व C₂ जुड़े होते हैं। C₁ व C₂, ब्रश B₁ व B₂ के सम्पर्क में रहते हैं। B₁ व B₂ को बाह्य परिपथ से संयोजित करते हैं।



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

कार्यविधि-

प्रत्यावर्ती धारा जनित यांत्रिक ऊर्जा को प्रत्यावर्ती विद्युत धारा में बदलता है इसमें धारा की दिशा समान रहती है। जब यांत्रिक ऊर्जा देकर कुंडली को घुमाया जाता है तो चुम्बकीय फ्लक्स में परिवर्तन होता है फलस्वरूप विद्युत धारा उत्पन्न होती है।

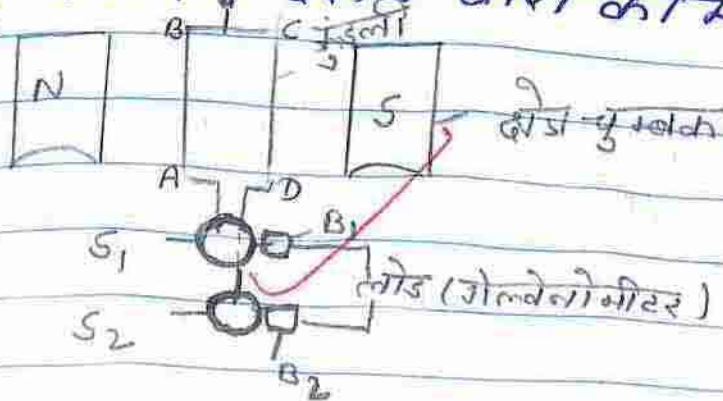
प्रथम आधे चक्कर में धारा C_1, B_1 के व C_2, B_2 के सम्पर्क

25.

उत्तर बनावट - प्रत्यावर्ती धारा जनित में निम्न भाग होते हैं-

- (i) क्षेत्र चुम्बक
- (ii) आर्मेचर (कुंडली)
- (iii) सर्पी वलय - $S_1, व S_2$ -
- (iv) ब्रुश $B_1, व B_2$

क्षेत्र चुम्बक के मध्य कुंडली ABCD रखी होती है जिससे दो सर्पी वलय $S_1, व S_2$ जुड़े होते हैं। $S_1, व S_2$ से कार्बन या धातु के ब्रुश $B_1, व B_2$ जुड़े रहते हैं। इसमें धारा का मान बदलता है।



कार्यप्रणाली - यांत्रिक ऊर्जा लेकर जब आर्मेचर को घुमाया जाता है तो कुंडली चुंबकीय फ्लक्स के समान्तर व लम्बवत् होती है फलस्वरूप कुंडली में विद्युत धारा उत्पन्न होती है। प्रथम आधे चक्कर में धारा A से D की ओर बढ़ती है फलस्वरूप बाह्य परिपथ में धारा B_1 से B_2 की ओर बढ़ती है व सूई में विक्षेप आ जाता है। अगले आधे चक्कर में धारा D से A की ओर बढ़ती है व बाह्य परिपथ में धारा B_2 से B_1 की ओर बढ़ती है व विक्षेप विपरीत दिशा में होता है।

इस प्रकार AC generator यांत्रिक ऊर्जा को प्रत्यावर्ती धारा में बदल देता है।

भारत में प्रत्यावर्ती धारा की आवृत्ति 50 हर्ट्ज है।

26.
उत्तर दिया है -

$$m = 75 \text{ kg}$$

$$t = 25 \text{ sec}$$

$$h = 5 \text{ m}$$

$$g = 10 \text{ m/s}^2$$

$$\text{शक्ति} = \frac{mgh}{t}$$

$$P = \frac{75 \times 10 \times 5}{25}$$

$$P = 150 \text{ वाट}$$

Ans.

परीक्षक द्वारा
प्रदात अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी क्रमांक

ब) दिया है-

$$m = 9 \text{ kg}$$

$$u = 4 \text{ m/s}$$

$$\text{स्प्रिंग का } k = 4 \times 10^4 \text{ N/kg}$$

ज्ञात करना है - संपीड़न = x

गुड़ गुटके की गतिज ऊर्जा =

$$\frac{1}{2} m v^2$$

$$= \frac{1}{2} \times 9 \times 4^2$$

$$= 72 \text{ जूल}$$

∴ गुटके की गतिज ऊर्जा ही स्प्रिंग की स्थितिज ऊर्जा में परिवर्तित होगी।

अतः

$$72 = \frac{1}{2} k x^2$$

$$72 = \frac{1}{2} \times 4 \times 10^4 \times x^2$$

$$x^2 = \frac{36}{4 \times 10^4}$$

$$x^2 = 0.0036$$

$$x = \sqrt{0.0036}$$

$$x = 0.06 \text{ m}$$

Ans.



27.

उत्तर आनुवांशिक विविधता-

एक प्रजाति अथवा जनसंख्या समूहों के विभिन्न सदस्यों के मध्य ३ आनुवांशिक इकाई जीन के कारण उत्पन्न विषमताओं को आनुवांशिक विविधता कहते हैं।

उदा. मैल्क की अनेक प्रजातियाँ होना आदि।
यावत

इसी के कारण एक प्रजाति के सदस्यों के मध्य लक्षणों की विभिन्नता होती है।

जैवविविधता संकट के कारण:-

(i) प्राकृतिक आवासों का नष्ट होना-

प्रकृति ने प्रत्येक जीव के लिए उचित आवास की व्यवस्था की है। लेकिन बढ़ती जनसंख्या व औद्योगिकीकरण के कारण वनों को नष्ट किया जा रहा है। इससे वनस्पति के साथ-२ वन्य जीवों के आवास कुंड़ रहे हैं व वन्य जीव विलुप्त हो रहे हैं।

(ii) प्राकृतिक आवासों का विखण्डन- सड़क, रेलमार्ग आदि के कारण विस्तृत वन क्षेत्र अनेक भागों में बँट गए हैं। इससे वन्य जीव अपने आपको असुरक्षित महसूस करते हैं। अनेक जीव दुर्घटनाओं का शिकार हो जाते हैं। दुधवा राष्ट्रीय उद्यान के मध्य से



परिष्कार द्वारा प्रदत्त अथवा

लीसार्थी उत्तर

गुजरने वाले रेलमार्ग पर प्रतिवर्ष करीब आधा दर्जन बाघ व अनेक जीव मृत्यु के शिकार हो जाते हैं।

28.

उत्तर अ) अन्तु उत्सर्जन - शरीर से तानिकाएक व अपशिष्ट पदार्थों को त्यागने की क्रिया उत्सर्जन कहलाती है।

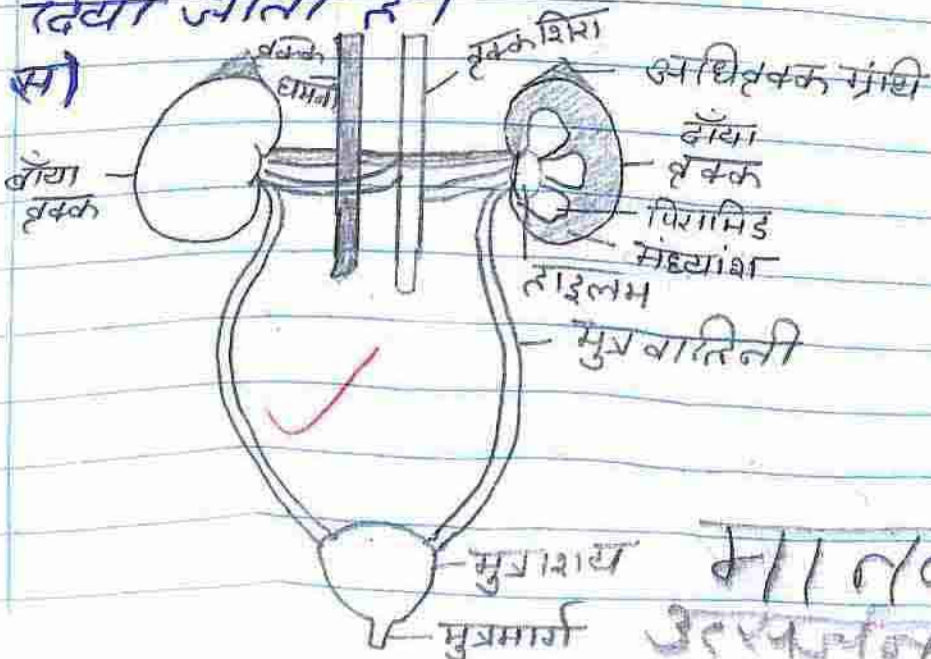
ब) गुच्छीय निस्पंदन -

यह क्रिया नेफ्रॉन के बीमैन संपुट के ग्लोमेरुलस द्वारा सम्पन्न होती है।

इसमें रक्त से प्रोटीन, वसा व अन्य उपयोगी पदार्थ छानकर ग्लोमेरुलस में ही रह जाते हैं।

यूरिया व अन्य तरल समीपस्थ कुडलित नलिका में चले जाते हैं।

उपयोगी तत्वों को पुनः रक्त में मिला दिया जाता है।



मानव उत्सर्जन तंत्र

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

29
उत्तर

अ) आवर्त में तत्वों के धात्विक गुण घटते हैं क्योंकि बाँये से दायें जाने पर परमाणु का आकार घटना है व प्रभावी नाभिकीय आवेश बढ़ता है जिससे परमाणु का इलेक्ट्रॉन त्यागकर धनायन बनाना कठिन हो जाता है व धातुएँ विद्युत धनी होती हैं।

ब) तत्वों के वर्गीकरण का प्रिक नियम डोबेराइनर ने दिया।

प्रिक नियम -

इस नियम के अनुसार तत्वों में प्रथम व अंतिम तत्व के रासायनिक गुणधर्म व भार मध्य का औसत मध्यवर्ती परमाणु के गुणधर्मों व भार के समान होता है।

उदा Li

Na

K

प्रिक में Li व K के परमाणु भार का औसत Na के भार के लगभग बराबर होगा।

स) धामसन के परमाणु प्रतिक्रम के अनुसार गोले में धनायन को प्रोटोन होते हैं व प्रक्षोभित को इलेक्ट्रॉन उसमें घोंसे रहते हैं। उदा. तरबूज में ८ लाल भाग प्रोटोन व अन्दर घोंसे बीस इलेक्ट्रॉन के समान होते हैं।

परीक्षक द्वारा
प्रदत्त अंकप्रश्न
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

मॉडल के अनुसार जिस प्रकार तरबूज में लाल भाग में बीज धोंसे रहते हैं उसी प्रकार परमाणु के धनावेश में इलेक्ट्रॉन धोंसे रहते हैं।

30.

(अ)

अपवर्तनांक - किसी माध्यम 1 में प्रकाश के वेग के सापेक्ष माध्यम 2 में प्रकाश के वेग के अनुपात को अपवर्तनांक कहते हैं।

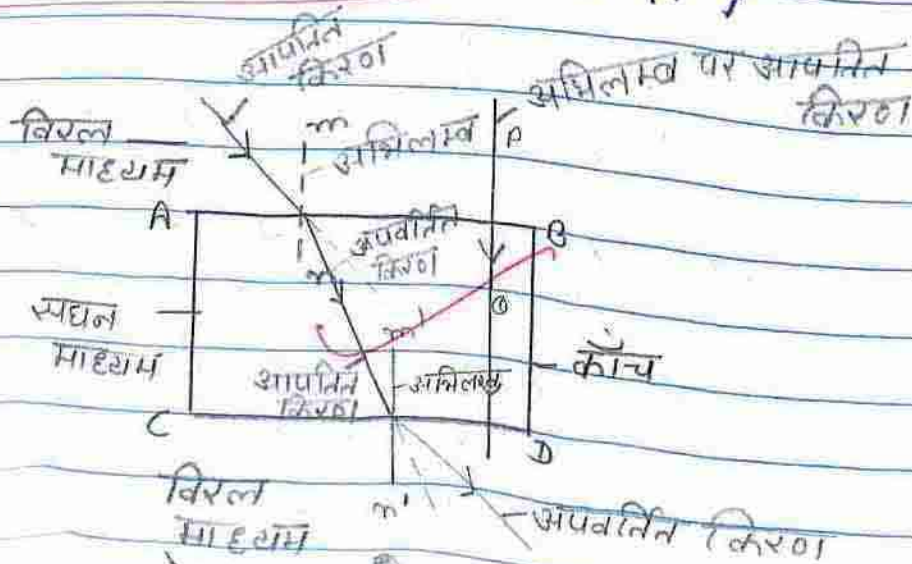
$$\mu_{21} = \frac{v_1}{v_2}$$

$$\mu_{21} = \frac{v_1}{v_2} \quad \text{या} \quad \mu_{ab} = \frac{v_b}{v_a}$$

बी

ऐसा दृष्टि दोष जिसमें निकट की वस्तुएँ तो साफ दिखें परन्तु दूर की वस्तुएँ धुँधली दिखाई दें निकट दृष्टि दोष कहलाता है। इसका निवारण उचित क्षमता का अवतल लेंस लगाकर किया जाता है।

(स)



काँच से अपवर्तन

समाप्त



परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक

प्रश्न संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

USER 1657019